करना चाहूंगा कि आप सब लोग बैठें, लीडर्स बैठें, रूल्स में अमेंडमेंट करना हो तो अमेंडमेंट करें। रूल्स को यदि उसी प्रकार से लागू करना होगा तो कर देंगे, यह मैं आपको गांरटी से कहता हूं। इससे ज्यादा मैं और कुछ नहीं कह सकता। चलिए, अब आप बोलिए, मिस्टर जेटली।

MATTER RAISED WITH PERMISSION

Alleged arrest warrant issued against a union minister

SHRI ARUN JAITLEY (Gujarat): Mr. Chairman, Sir, I am extremely grateful to you for having permitted me to raise this very important question. Sir, now it has come to notice that one Member of the Union Council of Ministers was involved, allegedly, in a criminal offence in the year, 1975. And the more startling fact, which has come to notice, is that there is now a warrant pending against him because he has been proclaimed as an offender by the court. An offender before a court is a person who does not submit himself to the Judicial process; who is a fugitive, and is running away from the law, It would be an irony that in matters of governance, in matters of procedures of this House, where the whole country look at us to lay down the higher standards, on the one hand, there is such a person, who is a fugitive and an absconder from the law, and, on the other hand .....*(Interruptions)....*

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Can you authenticate what you are saying now? *....(Interruptions)...*

SHRI ARUN JAITLEY: On the other hand, he would be standing in this House *...(Interruptions)...* Mr. Chairman, Sir, I am speaking with you permission. I seek your protection. *...(Interruptions).* ..I will authenticate the fact that such a report has appeared in the newspapers. Let me also say, since this question has been raised, as to how do you affirm this fact that the hon. Minister is unaware of the pendency of such a case against him. I have with me the affidavit that he filed before the Returning Officer, when he filed his nomination. The details of this case, case under (D)....*(Interruptions). . .* There is a list of cases; case under sections 148 and 149, sections, 302, 436, 429, IPC, SDJM, before the Judicial Magistrate at Jaamtara, dated 31.1.1975, is one of the details of the case. *...(Interruptions)...* It is one of the details of the case that he has filed before the Returning Officer. So, he cannot be unaware of the pendency of this case, and cannot be unaware of the fact that he is a proclaimed offender. *....(Interruptions).* श्री सभापति जी, अगर वह प्रोक्लेम्ड आफेंडर है तो क्या **...(व्यवधान)**

श्री एस.एस. अहलुवालिया(झारखंड): इनको चुप कराइए...(**व्यवधान**)

श्री सभापति:आप क्या बोल रहे हैं...(**व्यवधान**) उनको बोलने दो....(**व्यवधान**)

श्री अरूण जेटली: सभापति महोदय, क्या यह जानकारी प्रधानमंत्री जी को दी गई कि वह प्रोकलेम्ड आफेंडर है, जब उन्होंने उनको मंत्रिपरिषद् में लिया ? क्या यह जानकारी राष्ट्रपति जी को दी गई, जब उन्होंने उनको शपथ दिलाई ? जैसा कि सुषमा जी सुबह ज़िक्र कर रही थीं, काननू की व्यवस्था यह कहती हैं कि...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति:हो गया , वह देख लिया...(**व्यवधान**)

श्री अरूण जेटली: कानून की व्यवस्था यह कहती है कि अगर किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई मुकदमा है, जिसमें वह प्रोक्लम्ड आफेंडर है, तो फिर हरेक नागरिक का दायित्व है कि वह उसको पुलिस के हवाले करे..(**व्यवधान**) यह विडंबना होगी कि यहां खड़े होकर, गृह मंत्री जी के साथ बैठकर, वह उस प्रश्न के उत्तर देता है (**व्यवधान**)

श्री सभापति:बैठिए, बैठिए, आप बैठ जाइए ...(**व्यवधान**)...हो गई पूरी बात? पूरी बात हो गई हैं..(**व्यवधान**),,

श्री अरूण जेटली: कम से कम सदन को यह बताएं..(**व्यवधान**)..यह सुबह यहा थे, अभी 5 मिनट पहले तक यहां थे..(**व्यवधान**)..चूंकि यह विषय रेज़ होना था, इसलिए उनको यह सलाह दी गई कि वे सदन से बाहर चले जाएं – (**व्यवधान**) सदन के अंदर खड़े होकर ...(**व्यवधान**)...

SHRI VIKRAM VERMA(Madhya Pradesh): He cannot go outside. *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN. Please take your seats *...(Interruptions)...* Please take your seats. ... *(Interruptions)...*

श्री अरूण जेटली: आपने ऐश्योर किया था कि वह नहीं जाएंगे- (**व्यवधान**) कोई बतलाएगा कि वह प्रोक्लेम्ड आफेंडर हैं या नहीं ...(**व्यवधान**)

श्री सभापति:छोड़िए,छोड़िए ...(व्यवधान) गवर्नमेंट इस पर अपने कोई रियेक्शन देना चाहे तो दे सकती हैं (**व्यवधान**) बैठिए, बैठिए...(**व्यवधान**) मैं एलाऊ नहीं करूंगा, अब आप बैठ जाइए ....(**व्यवधान**) यह नहीं होगा । आप जो बोल रहे हैं, वह रिकार्ड पर नहीं जाएगा (**व्यवधान**)

श्री एस.एस. अहलुवालिया : आपने ऐश्योर किया था हाऊस में कि वह सदन में रहेंगे लेकिन वह चले गए (**व्यवधान**)

श्री सभापति:आप बैठिए ...(**व्यवधान**)

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार)**:** ये आपको डिक्टेट कर रहे हैं सर...(**व्यवधान**)...ये कौन होते हैं आपको डिक्टेट करने वाले ? ये चेयर को डिक्टेट कर रहे हैं (**व्यवधान**)

श्री सभापति: वह हाऊस में आएंगे या नहीं आएंगे...(**व्यवधान**)मेंरी बात सुन लीजिए ...(**व्यवधान**) आप लोग जो बोल रहे हैं वह रिकार्ड नहीं होगा क्योंकि आप मेरी परमिशन के बिना बोल रहे हैं..(**व्यवधान**)

श्री अरूण जेटली: सभापति जी, आपने ऐश्योर किया था (**व्यवधान**)

श्री सभापति:मैं आपको यह ऐश्योर करता हूं कि वह फरार नहीं होंगे...(**व्यवधान**)अब आप बैठ जाइए ..(**व्यवधान**)

श्री राजू परमार (गुजरात)**:** झारखंड में आपकी सरकार थी, क्यों आपने नहीं पकड़ा? 6 साल तक आप सरकार में थे, क्यों आपने नहीं पकड़ा ? गलती आपकी थी ? आपने उनको क्यों नहीं अरेस्ट किया ...(**व्यवधान**)

यह 25 साल पहले का केस है...(**व्यवधान**)

श्री सभापति:आप बैठ तो जाओ, आप क्यों झगड़ा कर रहे ...(**व्यवधान**)

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATH): Sir, I would collect the information and give it your goodself, and to this House. But, one thing which I would like to submit is that 'proclaimed offender' is one who is absconding. This person has contested the elections. This person has been moving in the public. This person is known to everybody and to call him 'Proclaimed offender', one who is absconding, I think ..... *(Interruptions)...*

SHRI ARUN JAITLEY: It is a legal term *...(Interruptions)...*
यह तो लीगल टर्म हैं....(**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN: Now, we take up the Calling Attention Motion. ...(Interruptions)...

SHRI RAVULA CHANDRASEKAR REDDY(Andhra Pradesh): Sir, ...(Interruptions)...

श्री सभापति:मैं एलाऊ नहीं करूंगा ...(**व्यवधान**) आप 2 मिनट ठहर जाओ । पहले कालिंग अटेंशन खत्म हो जाए, फिर मैं आपको एलाऊ करूंगा ...(**व्यवधान**)

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, regarding the admissibility of such quesitons, this was very much circulated through the Bulletin.

MR. CHAIRMAN: I have seen it.

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal): Okay; Sir. Now, Sir, what has happened today can be treated as a basis for putting questions, asking for a response from the Government, based on a Press report. I have got a number of Press reports like this. Sir, would I be allowed to seek immediate clarification from the Government on any question? *...(Interruptions)...* Sir, I have also raised a question *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: This is not a question *...(Interruptions)...*

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, I have also raised a question based on a press report *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: This is not a question *...(Interruptions)...*

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, this is serious issue. Everyday, the Question Hour cannot be disturbed like this *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: I heard you; this is not a question *....(Interruptions)...*

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, everyday, the Question Hour cannot be suspended like this. The way the Question Hour has been stopped today, without any proceedings, this can become a precedent for everyday to disturb the Question Hour. Can you allow this? Sir, Everyday, can you allow the Question Hour to be disturbed on the basis of a press report?

श्री सभापति:मेरी बात सुन लीजिए ।**...(व्यवधान**) एक मिनट, एक मिनट, प्लीज । **...(व्यवधान**) मेरी बात तो सुन लीजिए ।**...(व्यवधान**)

श्री नीलोत्पल बसु: सर, जो यह कपड़ा उतारे जाने वाला विषय है उस पर चर्चा करा लीजिए ।**...(व्यवधान**) जार्ज फर्नान्डीज के कपड़े उतारे गए थे**...(व्यवधान**)

श्री सभापति:मैंने अभी आपसे अपील की है कि इस प्रश्न का ऊपर सदन के सारे दलों के नेताओं के साथ बैठ कर बात करूंगा और बात करने के बाद में**...(व्यवधान**)

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: This is not right *...(Interruptions)...* Eeveryday, Question Hour is being disturbed; this should not happen *...(Interruptions)...*

श्री नीलोत्पल बसु: जार्ज फर्नान्डीज के कपड़े उतारने वाली जो कहानी प्रेस में लिखी हैं उस पर चर्चा करा दीजिए ।**...(व्यवधान**) उस समय सरकार क्या कर रही थी,कौन गहरी नींद

सो रहा था । स्वाभिमानी लोग है जो अपना कपड़ा उतारने के लिए (**व्यवधान**) उस समय श्री अरूण जेटली और श्री यशवंत सिन्हा क्या कर रहे थे जब श्री जार्ज के कपड़े उतरे । (**व्यवधान**)

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Someone must be held accountable... *(Interruptions)...*

श्री सभापति:बैठिए, प्लीज ।(**व्यवधान**)

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Everyday there is a newspaper report..... *(Interruptions)...*

श्री नीलोत्पल बसु: इस सदन को जवाब देना होगा, देश के स्वाभिमान का सवाल है । जो स्वाभिमान की कदर करते हैं वे सब पीड़ित है इस कारण से । (**व्यवधान**) इनको देश के स्वाभिमान का कोई ख्याल नहीं हैं ।..(**व्यवधान**)

श्री सभापति:अब आप बैठ जाएं, मैं बात करूंगा आपसे..(**व्यवधान**) चलिए अहलुवालिया जी, बोलिए ।

श्री एस.एस.अहलुवालिया: चेयरमैन सर,

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Tomorrow, the Government must reply to this thing ... *(Interruptions)...*

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Why did the then Government suppress this information?.. .(Interruptions)... After his return to India, he did not have the guts to reveal this...(Interruptions)... At the time, you were the Foreign Minister, when the then Defence Minister was strip-searched. You kept this information away from the country.

श्री प्यारे लाल खंडेवाल (मध्य प्रदेश)**:** एक व्यवस्था का प्रश्न हैं । (**व्यवधान**)

श्री सभापति:मैं आपको एलाउ नहीं कर रहा हूं आप बैठ जाए । आप सीनियर मेंबर हैं । मैं आपको एलाउ नहीं कर रहा हूं । (**व्यवधान**) आप मेरे कपड़े क्यों उतार रहे हों ।वह सब सही हैं कि (**व्यवधान**) मेरी बात सुनों तो सही । मैं आपसे यह कह रहा हूं कि मेरे कपड़े मत उतारो ।

श्री मंगनी लाल मंडल (बिहार)**:** सर, भारत की अस्मिता का सवाल हैं(**व्यवधान**)

श्री सभापति:अब आप बैठिए, बहुत हो गया । काफी हो गया ।